राम नगरी में बनेगा देश की रक्षा का कवच

बीईएल की 597 करोड़ की परियोजना को मिली जमीन, रक्षा उपकरण और अन्य अत्याधुनिक संसाधन किए जाएंगे विकसित

संवाद न्यूज एजेंसी

चित्रकूट। राम की नगरी में देश की रक्षा का कवच तैयार किया जाएगा। यहां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) 597 करोड़ का निवेश करने जा रहा है।

रक्षा परियोजना के लिए मंगलवार को 75 हेक्टेयर जमीन की लीज डीड करा ली गई है। अब चित्रकूट से अत्याधुनिक रक्षा उपकरण तैयार होंगे। रोजगार के साथ संसाधन विकसित हो सकेंगे।

चित्रकूट को अभी लोग तीर्थ नगरी के नाम से जानते हैं, लेकिन रक्षा उपकरणों के निर्माण से इसे डिफेंस हब के नाम से जाना जाएगा।

मिलेगी करोड़ों की छूट

सरकार भी इस परियोजना पर दिल खोलकर छूट दे रही है। रक्षा नीति-2024 के तहत बीईएल को भूमि सब्सिडी में 11.83 करोड़ और स्टांप ड्यूटी में 2.36 करोड़ की छूट मिलेगी। पूंजीगत सब्सिडी, परिवहन और स्किल विकास का लाभ अलग से मिलेगा।

युवाओं को मिलेंगे मौके

चित्रकूट के युवाओं को अब नौकरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। फैक्टरी के साथ सहायक उद्योग, परिवहन, होटल और बाजार भी चमकेंगे। क्षेत्र का विकास हो सकेगा।

इस कामयाबी के पीछे डीएम पुलकित गर्ग और उनकी टीम की महीनों की मेहनत है। जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण और इन्वेस्ट यूपी ने मिलकर निवेश को जमीन पर उतारा।

लीज डीड के मौके पर बीईएल के एजीएम आरके शर्मा, डीजीएम फणी कुमार, यूपीईडा के सत्यम तिवारी, उद्यमी मित्र शाहरुख, उपायुक्त उद्योग चंद्र प्रकाश पटेल और इन्वेस्ट यूपी की डॉ. सुधा सिंह मौजूद रहे।

औद्योगिक विकास के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने धर्मनगरी में रक्षा परियोजना में 597 करोड़ का निवेश किया है। इस फैक्टरी के लिए 75 हेक्टेयर जमीन की डीड बीईएल के नाम हो गई है।

- **पुलकित गर्ग,** जिलाधिकारी।